वन उत्पादकता संस्थान, रांची

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस - 2022 के अवसर पर

“लिंग भेद-भाव के विरुद्ध महिला सशक्तिकरण समारोह”

स्थान : सिरका, रामगढ़ **दिनांक : 08.03.2022**

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के सफल मार्गदर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्थान द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08.03.2022 को रामगढ़ के सिरका ग्राम में **लिंग भेद-भाव के विरुद्ध महिला सशक्तिकरण समारोह** का आयोजन निर्देशानुसार फील्ड स्तर पर किया गया जिसमें क्षेत्र के लगभग 50-55 महिलाओं सहित कुल 70 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी की सर्वसम्मति से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली पाँच महिलाओं को संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संचालित करते हुए श्री सिटू सलूजा ने महिलाओं का स्वागत किया एवं संस्थान के इस कार्यक्रम की सराहना की। सम्मानित महिला एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती मुन्नी देवी ने वन उत्पादकता संस्थान के इस प्रयास की सराहना करते हुए दिव्यांगों के प्रति अपने क्रिया-कलापों को बताया। सृजन फाउण्डेशन की श्रीमती मलिका दत्ता ने नारी शक्ति की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं संस्था द्वारा असहाय बच्चों की नि:स्वार्थ सेवा से उपस्थित महिलाओं सहित सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। नि:शुल्क बाल गृह की श्रीमती अमिता दत्ता ने बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देकर समाज सेवा में अपनी भूमिका बताते हुए महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का आग्रह किया। सुश्री शीला कुमारी, दिव्यांग होते हुए भी समाज के दिव्यांग महिलाओं को सिलाई तथा अन्य छोटे-मोटे कार्य का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अन्य महिलाओं को भी शामिल होने का आग्रह किया। श्रीमती बेवी देवी, सृजन फाउण्डेशन ने महिलाओं को आगे बढ़कर निर्भीकता का परिचय देने का आग्रह किया।

संस्थान के श्री एस.एन.वैद्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि कि महिलाएं आज के दौर में हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। कोई भी महिला कमजोर नहीं है तथा हर क्षेत्र में बराबर की भागीदार है।

महिलाएं बड़े पदों पर कार्य कर रही है एवं अपना, अपने क्षेत्र व देश का नाम रौशन कर रही है। श्री बी.डी.पंडित ने कहा कि महिला शक्ति रुपा है, महिला मां, बहन, पत्नी एवं बेटी के रुप में पुरुषों को ममता, प्यार, सहयोग एवं दुलार तो देती ही है साथ ही साथ पुरुषों को सबल भी बनाती है।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वह जननी भी है तथा विनाशिनी भी है। रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, चिकित्सा, राजनीति आदि क्षेत्रों की कामयाब महिलाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने का आह्वान किया। उन्होने कहा कि लिंग भेद-भाव हमारे पूर्वजों का थोपा हुआ नहीं है अपितु हमारी गुलामी ने इसे रुढ़ीवादी परम्परा के रुप में हमें कमजोर करने की साजिश के तहत अपनाने की आदत डालने पर मजबूर किया। जिस दिन महिलाओं को पूर्ण भागीदारी मिल जायेगी भारत दुनिया की अगुआई करता नजर आयेगा। श्री पंडित ने बताया कि भ्रुण हत्या, बाल विवाह आदि समाज के लिए कुष्ट है लेकिन हमारी बालाएं आज मंडपों को त्याग करती नजर आ रही है। श्री सूरज कुमार ने वर्तमान की महिलाओं को सजग, निडर एवं होनहार बताया तथा कहा कि आज के समय में महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कमजोर नहीं है। उन्होने पुरुषों से आग्रह किया कि वे महिलाओं को और आगे लाने में उनका सहयोग करें।

श्री प्रेम कुमार, स्वयंसेवक, दिव्यांग (नि:शक्तशक्त) आशीर्वाद होम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं सभी सम्मानित पाँच महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना की। संस्थान की ओर से उपस्थित सभी महिलाओं को पुष्प देकर महिला दिवस की शुभकामना दी गई।